राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 50.00 संख्या 2397
लेवल जीरो
सुपर कमाण्डो ध्रुव
नागराज
फाइटर टोड्स
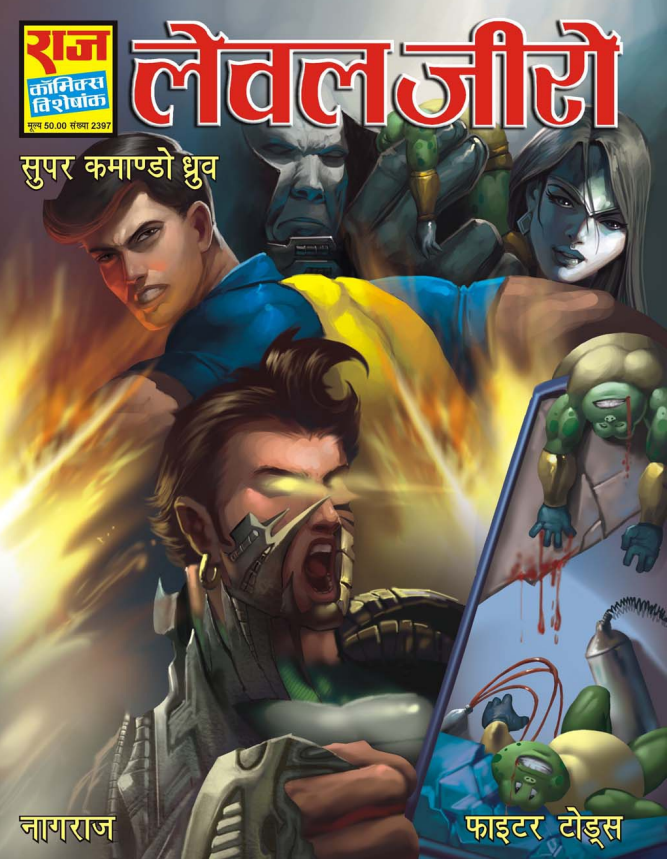
परिकल्पना
मंदार गंगेले
अनुराग सिंह

पटकथा
सुशांत पंडा

पेंसिलिंग
सुशांत पंडा

इंकिंग
सुशांत, मंदार,
बसंत पंडा

टाइपोग्राफी
हरीश शर्मा

इफैक्ट्स
शादाब सिद्दीकी

सह संपादक
मंदार गंगेले

संपादक
मनीष गुप्ता

संजय गुप्ता पेश करते हैं !

राज कॉमिक्स है मेरा जनून !

पिछले अंक 'गहरी चाल' में आपने पढ़ा किस तरह नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव का पुराना दुश्मन ग्रीन मांबा स्वर्ण नगरी के एक गद्दार वैज्ञानिक जेलर भद्रक की मदद से स्वर्ण नगरी की अभेद कारागार से आजाद हो जाता है और धनंजय सहित पूरे स्वर्णनगरी को बेहोशी के गर्त में धकेल वहां पर अपना कब्जा कर लेता है। परन्तु फाइटर टोड्स की निर्मात्री शिल्पात्री वहां से फरार हो जाती है! टोड्स इमोशनल मूवी दीवार देखकर इमोशनल हो जाते हैं और टोडदेव से अपने लिए एक मां मांगते हैं। इतने में आयाम द्वार खुलता है और नागराज और ध्रुव से मदद मांगने जा रही शिल्पात्री का बेहोश जिस्म बाहर आ गिरता है। टोड्स शिल्पात्री को अपनी मां समझ लेते हैं। अब आगे पढ़ें.-
SUSHANT PANDA.
BASANT PANDA

ओह! मैं कहां हूं?
बेहोश होने के बाद आयामी द्वार से मेरा नियंत्रण हट गया था।
नागराज और ध्रुव तक पहुंचने से पहले ही मैं बीच में ही कहीं आ गिरी और न जाने इस वक्त मैं कहां पर हूं?
मम्मी!
मम्मी?
मम्मी को होश आ गया।
नहीं। नहीं। मॉम सो कर जाग गईं।
मां तू जाग गई मां।
माते! हम तेरे लाल... नहीं- नहीं! हरे-पीले, तुम कहां थीं अब तक कठोर?
मम्मी? मॉम?? मां? माते?

ये तो फाइटर टोड्स हैं। मेरे अविष्कार।
स्वर्ण नगरी के प्रतिनिधी।
यह मुझे अपनी मां क्यों समझ रहे हैं?
कितने भोले, कितने मासूम हैं ये!
आखिर हैं तो मेरे द्वारा निर्मित किए हुए। एक तरह से हैं तो यह मेरे बच्चे ही।
फिर अगर ये मुझे अपनी मां समझ रहे हैं तो मुझे भी इनका दिल नहीं तोड़ना चाहिए।
तुम्हारी याद में हम बहुत तड़पे मां। मांऽऽऽ ऊवांऽऽऽ,
ये तुमसे किसने कहा कि मैं तुम्हारी मां हूं?
अब हमें और अधिक मूर्ख न बनाओ माते। टोडदेव से जब हमने अपने लिए एक मां मांगी तो तभी टोडदेव का द्वार खुला और टोडदेव ने तुम्हें हमारे पास भेज दिया।
बच्चों तुम कितने समझदार हो गए हो। मैं तो तुम्हारी परीक्षा ले रही थी। पर तुम सबने तो मुझे झट से पहचान लिया। मैं तुम्हारी मां ही हूं। मेरे बच्चों।
मांऽऽऽऽ

मां तुम्हारी शक्ल इंसानों जैसी क्यों है?
टोडदेव की आज्ञा से मुझे कई सारे काम इंसानों के बीच में रहकर करने पड़ते हैं। इसलिए मैंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है ताकि बिना किसी दिक्कत के मैं इंसानों के साथ काम कर सकूं और उन्हें कोई शक भी ना हो।
प्लास्टिक सर्जरी से पहले तुम कैसी दिखती थीं?
क्या प्लास्टिक सर्जरी से सिर पर बाल भी आ जाते हैं?
टर्र टर्रऽऽऽ
टर्र टर्रऽऽऽ
इंसानों के बीच तुम्हें क्या काम पड़ते हैं?
टोडदेव ने तुम्हें क्या काम सौंपा है?
टर्र टर्र
टर्र टर्र
उफ! बुरी फंसी शिल्पात्री अब या तो इनके सवालों के जवाब दे-दे या इनकी टर्र-टर्र से दुबारा बेहोश होने की तैयारी कर ले!
हे टोड देव...बचा लो!
ओह! ये मैं क्या सोच रही हूं!
कहां होंगे नागराज और...

सुपर कमाण्डो ध्रुव
THANKS CAPTAIN तुम मुझे साथ लाने के लिए राजी हो गए।
इसमें थैंक्स की कोई बात नहीं। मैं तुम्हारा कैप्टन बाद में हूं दोस्त पहले।
पर तुमने बताया नहीं कि तुम यहां आई किसलिए हो?
बताती हूं। थोड़ा रुको वो आने ही वाला है।
कौन आने वाला है?
वो आ गया।
अब प्लान शुरू।
प्लान?
अरे! ये क्या कर रही हो रेणु?
थोड़ा एडजस्ट कर लो कैप्टन सिर्फ दो मिनट।
छोड़ो... रेणु! मैं शरीफ लड़का हूं।
शरीफ लड़की तो मैं भी हूं कैप्टन।
रेणु, सब देख रहे हैं।

रेणु!
प्लीज होश में आओ।
मैं होश में ही हूं कैप्टन! थैंक्यू कैप्टन। मेरा काम तो हो गया।
कैसा काम?
दरअसल एक पप्पू लड़का कई दिनों से मेरे पीछे लगा था। उसे न निगलते बनता था न उगलते।
फिर फाइनली मुझे उससे पीछा छुड़ाने के लिए ये आइडिया मिल गया। मैंने उसे कहा कि मेरा ब्वॉयफ्रेंड है। जब उसे विश्वास न हुआ तब मुझे ये चाल चलनी पड़ी।
तुम्हें कोई और नहीं मिला था इस ड्रामे के लिए।
पीटर था नहीं और करीम से होता नहीं। अब बचे सिर्फ तुम। NO CHOICE!
नताशा ने देख लिया होता तो मेरे लिए भी कोई च्वाइस नहीं होती। नताशा का गुस्सा तो तुम जानती ही हो बम की तरह फटता है।
बिल्कुल सही कहा तुमने। नताशा का गुस्सा बिल्कुल बम। हाहाहा।
STUDI

अरे बाप रे स्पून बॉस ने सही कहा था। ध्रुव के दिमाग के सामने सुपर कम्प्यूटर भी कुछ नहीं।
इसने मुझे देखते ही ताड़ लिया कि मेरे पास बम है।
*टुण्डे अब तेरा क्या होगा?
*टुण्डे के बारे में जानने के लिए पढ़ें 'फाइटर टोड्स।'
आल 'तू', जलाल तू! आई बला को टाल तू!
इसे क्या हुआ कैप्टन? ये कांप क्यों रहा है।
इसकी जेब से क्रिकेट की गेंद गिर रही हैं। और... नीचे गिरती गेंदों का आकार और स्पीड तो बढ़ती ही जा रही है।
बचो कैप्टन ये तो...
"बॉम्बस् हैं।"
कमाल है। ये जमीन पर गिरकर नहीं फट रहे, पर जैसे ही किसी बिल्डिंग या कार के सम्पर्क में आते हैं फट जाते हैं।

ये स्मार्ट बॉम्ब्स हैं! इनकी इलास्टीसीटी इनकी स्पीड को और बढ़ा रही है।
मुझे आखिरी समय तक इंतजार करना होगा और...
BADOOMSSSS
इन बाम्बस् में सैंसर्स लगे हैं शायद! ये तो पूरी बम मंडली मेरे पीछे पड़ गई।
क्या था ये? सोचा समझा हमला था या फिर किसी बड़े आंतकी हमले की प्लानिंग!
जो अनायास ही मेरे सामने आ गई!
इनसे निपटने का एक तरीका समझ में आ रहा है।
इस तरह से मैं तो बच जाऊंगा। पर आस-पास की चीजों से टकरा कर ये जान और माल दोनों को नुक्सान पहुंचाएंगे।
GOOD! जैसा सोचा था ये सारे मेरे पीछे पीछे गटर में आ गए हैं।
अब बस मुझे दूसरी ओर से बाहर निकलकर...
करना है गटर का ढक्कन बंद।
सारे बम अंदर ही रह जाएंगे।
और हो जाएगा ब्लास्ट...
KABOOM

महानगर
जल्दी कर बाल्डी! समय कम है! अभी आठ जगह और बम लगाने हैं!
क... क... क... क... कर...
क्या हुआ? क्या कर-कर, कर रहा है। सांप क्यों सूंघ गया तुझे?
सांप...
...सांप... सूंघ नहीं गया... सूंघ रहा है।
अबे सूंघ ही रहा है ना? काटा तो नहीं अभी? उड़ा क्यों नहीं देता उसे!
उड़ा दे साले को चंदे।
अभी सिर्फ ये उड़ रहा है...
चंदे! तू तो खुद उड़ने लगा।

और अब उड़ेंगे इसके होश!
नागराज
धाड़
उसके तो सिर्फ होश उड़े हैं! तू तो पूरा का पूरा उड़ जाएगा!
मेरे कानों को धमाके पसंद हैं और वो धमाके के साथ अब नागराज की चीख भी सुनना चाहते हैं।
हां, नागराज तुमको ये मौका देगा।
अब इत्मिनान से सुनना...

....नागराज की चीख!
लेकिन...
KABOOM
...सपने में।
जेल पहुंचने से पहले अगर तुझे होश आ गया तो अपने साथियों की चीख जरूर सुन लेंगे तेरे धमाके पसंद करने वाले कान।

पर उससे पहले गला फाड़कर चीखने की बजाय यह बकना कि किसके कहने पर यह काम कर रहे थे, तुम्हारी सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद होगा।
बताओ! किसके कहने पर बॉम्ब्स लगा रहे थे यहां?
बताऊंगा पर तुझे नहीं तेरी लाश को?
मेरी लाश?

मेरी लाश देखने वाले तेरे जैसे न जाने कितने ही....
धाड़!!!
...ख्वाहिशमंद अपनी ख्वाहिश दिल में दबाए परलोक सिधार गए?
हैलो! महानगर पुलिस! संपत नगर, सेक्टर16 में चार आतंकवादी बॉम्ब प्लांट करते पाए गए हैं!
अब अपनी बाकी की जिंदगी यही ख्वाहिश लिए जेल की काल कोठरी में बिताना!
सांय!!!

...जो कि राजनगर और महानगर में ही जाकर नहीं रुकने वाली है। बल्कि इनकी योजना भारत के कोने-कोने को हिलाकर रख देने की है।
ध्रुव! तुम यहां???
आंतकवादियों की गहरी साजिश लगती है। पहले राजनगर में सीरियल ब्लास्ट और अब महानगर में भी सीरियल ब्लास्ट की प्लानिंग।
जब तुमसे संपर्क नहीं हो पाया तो मैं तुरंत स्टार हैलीकॉप्टर से महानगर आ गया और जासूस मित्रों से पता लगा कि तुम इस वक्त यहां पर हो।
गहरी ही नहीं बहुत बड़ी साजिश है।
हां, नागराज मैं तुम्हें ही ढूंढने निकला था। राजनगर में हुए धमाको के बाद आतंकवादी सूत्रों का पीछा करते हुए मुझे क्लू मिल चुके थे कि अगले सीरियल ब्लास्ट महानगर में होने वाले थे।
आतंकवादियों की शक्ति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि, विस्फोट में इस्तेमाल किए जाने वाले बम में किस तरह के ज्वलनशील पदार्थों का प्रयोग किया गया है यह अभी तक पता नहीं चल पाया। ऐसे विस्फोटक पदार्थ पहली बार नजर में आए हैं।
इस सारे मामले की तह तक जल्दी पहुंचना होगा क्योंकि...

प्रक्षेपास्त्रागार
"बात जितनी मामूली दिख रही है उतनी मामूली है नहीं।"
क्या हुआ भद्रक?
बेड़ागर्क हुआ।
पूरी कोशिशों के बावजूद भी मैं प्रक्षेपास्त्रागार को खोल पाने में सफल नहीं हो पाया हूं।
'बेड़ागर्क' का बेड़ापार कब होगा?
होगा। बहुत जल्द होगा मांबा! क्योंकि जिन इक्के-दुक्के को इस द्वार को खोलने का तरीका पता है। उनमें से एक शिल्पात्री भी है। जिसे हमें ढूंढ निकालना होगा, क्योंकि बाकी स्वर्णमानवों और धनंजय वगैरहा को तो हमने गहरी बेहोशी के गर्त में धकेल दिया है।
और हमें उन्हें होश में लाने का जोखिम नहीं लेना चाहिए।
शिल्पात्री का पता कैसे लगाओगे तुम?
मेरे पास बहुत से ऐसे यंत्र हैं जिस की सहायता से...
"मैं शिल्पात्री को पाताल से भी खोज निकालूंगा।"
बच्चों टोडदेव को नागराज और ध्रुव की मदद की जरूरत है।
हमें नागराज और ध्रुव को ढूंढने के लिए निकलना चाहिए।
आप नहीं जाओगी। आप घायल हो। आपको अभी इलाज की जरूरत है।
"हम आपको ले चलेंगे डॉक्टर तौकी जी के घर!"
आज तक तुम चारों ही मेरी समझ में नहीं आए थे।
अब तुम्हारी मां कहां से आ गई?
इन्हें टोडदेव ने भेजा है। हीहीही।
अब ये टोड देव कौन है? खैर छोड़ो...
मम्मी आप आराम करो। हम चारों दो-दो की टोली बनाकर नागराज और ध्रुव जी से मिलने राजनगर और महानगर जाते हैं।

कहिए इंस्पेक्टर साहब क्या प्रोग्रेस है?
अपराधियों को टॉर्चर करके सच उगलवाने के जितने तरीके थे सारे अपना लिए हमने। मगर अब तक कोई अपनी जुबान खोलने को तैयार नहीं है।
मुंह खुलेगा इंस्पेक्टर! क्योंकि नागराज के पास सच उगलवाने के और भी तरीके हैं।
सम्मोहन-
बोलो! किसके कहने पर कर रहे थे तुम ये काम?
वो... हम... हक्क!
मेरे तीव्र सम्मोहन में फंसने के बाद भी इन्होंने अपनी जुबान क्यों नहीं खोली?
बल्कि इन्होंने तो अपनी जुबान ही भींच ली।
मतलब सम्मोहन से काम नहीं चलेगा। इनकी जुबान खुलवाने के लिए कोई और तरीका अपनाना पड़ेगा।
मेरा सम्मोहन भी नारको टेस्ट की तरह ही है ध्रुव। जिसमें मैं इनको अवचेतन अवस्था में ले जाकर सच्चाई उगलवाता हूं।
हां! पर वो तरीका हमें जल्द...
आजकल आतंकवादियों को ट्रेनिंग देते समय इस बात की भी ट्रेनिंग दी जाती है कि उनसे सच उगलवाने के लिए यदि नारको टेस्ट का इस्तेमाल किया जाए तो कैसे चकमा दिया जाए।

ओह! यह क्या?
जहरीला धुआं।
प्रोफेसर स्पून! आप आ गए।
हां! तुम लोगों को आजाद करवाने! पर तुमने पुलिस को कुछ बताया तो नहीं?
नहीं बॉस। हमने पुलिस को कुछ नहीं बताया।
GOOD! अब यहां से हमें चलना है राजनगर के अड्डे पर और...
राजनगर? पर बॉस, हमारा अड्डा तो राजापुर में है। पिछले दस सालों से।
क्या बक रहे हो? पुलिस की मार से दिमाग खराब हो गया है क्या तुम्हारा?
राजनगर के अड्डे पर ही तो हमने प्लान बनाया था। आगे हमें दिल्ली और कलकत्ता में सीरियल ब्लास्ट करना है।
क्या बात कर रहे हो बॉस? हमारा प्लान तो मुम्बई और फिर नागपुर में ब्लास्ट करने का था।
तुम्हारा दिमाग सचमुच खराब हो गया है।
किन-किन जगहों पर ब्लास्ट करना था हमें। तुम्हे यह भी याद नहीं!
मुझे सब कुछ याद है बॉस! अगला बम हमें मुम्बई में...
तुम्हारी योजना सफल हो गई नागराज। ये तुम्हारे तीव्र सम्मोहन का असर ही है कि उसे अपने सामने अपना कमांडर नजर आ रहा है। जबकि वहां कोई है ही नहीं।

अब हमें प्रोफेसर स्पून के अड्डे पर धावा बोल कर इनकी योजना को ध्वस्त करना है।

मांबा और भड़क-

मांबा यहां के कई कैदी हमारे काम आ सकते हैं जो धरती पर जाकर तबाही मचा सकते हैं। आतंक का डंका बजा सकते हैं।

'जैसे ये त्रिमुण्डा-' इसे इंसानी मांस बहुत अच्छा लगता है। समुद्र में गोता लगाते पहरेदारों को दबोचकर खा जाता था ये। स्वर्ण मानवों ने पकड़कर कैद कर लिया इसे।

वो बौना हमारे किसी काम नहीं आएगा बल्कि हमारा काम तमाम कर देगा।
क्योंकि वो महामानव है। पृथ्वी की सबसे बड़ी महाशक्ति उसके सामने हमारी हैसियत कीड़े-मकौड़े से अधिक नहीं है।
आगे चलो। उसे कैद से आजाद कर दिया तो हम जिंदगी की कैद से आजाद हो जाएंगे।
अभी बहुत कैदी हैं हमारे पास जो काम आ सकते हैं।
ये देखो शिल्पात्री के फॉर्मूले पर मैंने निर्माण किया है इन ब्लैक टोड्स का। इनमें सारी जानकारी के अलावा जूडो कराटे मार्शल आर्ट का भी ज्ञान भर दिया है।
इन्हीं विकिरणों के द्वारा शिल्पात्री ने फाइटर टोड्स को निर्माण किया था।
मेंढक का भुना हुआ मांस कभी मेरा प्रिय आहार हुआ करता था।
अच्छा फाइटर टोड्स वो चार फुटे मेंढक की औलाद। उन कम्बख्तों ने भी वाट लगाई थी मेरे धंधे की।
महानगर
कम्प्यूटर हम नागराज जी को कैसे ढूंढे?
कोई नहीं जानता कि वो कहां रहते हैं।
कटर्र! मैंने नागराज जी की बहुत सी न्यूज इकट्ठी कर ली हैं।
MUTATION LEVEL COMPLETE
हाहाहा। मांबा ये लो अब पूरी तरह से तैयार हो गए हैं ब्लैक टोड्स। शिल्पात्री को खोजने का काम मैंने इन्हे ही सौंपा है! और मेरे यंत्र बता रहे हैं कि शिल्पात्री इन्हे मिलेगी राजापुर में!
और मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि भारती चैनल पर नागराज के इंटरव्यूज और लाइव एक्शन या फिर उससे जुड़ी कोई भी खबर सबसे पहले आते हैं।

मतलब कि...

मतलब कि हमें भारती चैनल पहुंचना है।

भारती-

हमें नागराज जी से मिलना है?

तो आप यहां पर क्यों आए हैं? नागराज जी के घर जाइए।

आप नागराज जी के घर का पता बता दीजिए। हम वहीं चले जाएंगे।

नागराज के घर का पता तो मुझे नहीं पता।

वैसे नागराज पूरी दुनिया को अपना घर मानता है।

कमबख्त मक्खी! सोच रही है कि कुर्सी के पीछे जाकर कटर की जीभ से बच...

मेंढकSSS।

कौन हो तुम लोग?

जाऽऽ

कटर क्या हुआ तुझे?

मरवा दिया कटर के बच्चे ने।

इसे कुछ नहीं हुआ। बस बिना इजाजत के केबिन की चीजों से छेड़छाड़ करने पर सिक्युरिटी सिस्टम ऑन हो गया और करंट का तेज झटका लगा है इसको।

अब तुम भी अपने सिर से हैट हटाओ और चुपचाप बताओ नागराज को क्यों ढूंढ रहे थे! कौन हो तुम?

चल कटर
क्या हुआ मैम?
गार्ड पकड़ो उन्हें।
ईSSSमेंढकSSS के भूत।
कम्प्यूटर वो नागराज जी का पता..?
चुप्प कर भुक्खड़ कहीं के। तेरी चटोरी जीभ हमेशा बेड़ागर्क करवाती है हमारा।
अब नागराज जी को कहीं और ढूंढ़ना होगा।

राज टेबल से उतर आओ। वो गए।
ग...गए?
ये नागराज जाने कैसे कैसे डरावने खलनायकों से पंगा लेता रहता है और परिणाम भोली-भाली जनता को भुगतना पड़ता है।
हीहीही। दोहरे चरित्र का ऐसा जबरदस्त परफॉर्मेंस दिया है कि टोबी मेग्वायर ने भी स्पाइडरमैन और पीटर पार्कर के रोल में नहीं दिया होगा।
P.R.O
MR. RAJ
मैं तो अपने केबिन से बाहर ही न निकलूं। भूत पिशाच निकट नहीं आवे, महावीर जब कथा सुनावे।

श्वेता-नताशा
हे हे हे नताशा! भईया के लिए जींस, टी-शर्ट लेने का कोई फायदा है भी? वो भाई साहब तो 24 में से 18 घंटे उसी पीली-नीली यूनिफार्म में ही पाए जाएंगे। और बाकी बचे 6 घंटे वो नाइट सूट पहनकर नींद फरमाएंगे।
USE ME
और तुम भी नींद में सपने में ही उन्हें जींस टी-शर्ट में पोज बनाते हुए देखना। O.K.?
तुम अपनी...
हाई, श्वेता!
ईऽऽऽ अनुराग! मर गए नताशा। अब ये चिपकू फेविकोल की तरह हमसे चिपक जाएगा।
कम्बख्त आते ही लस्सी पिलाने को कहेगा
और पैसे भी हमें ही देने पड़ेंगे।
तुम अंदर सरक लो मैं उसे टरका के आती हूं।
O.K.

Raj NAGAR SUPER HERO
कम्प्यूटर ने बताया था कि सुपर कमाण्डो ध्रुव जी हमें कमाण्डो हैडक्वार्टर में मिल सकते हैं।

बक...बक...गप...गप बक...गप...बक...गप
हे अनुराग,
तुम्हें तो आज क...क... कल्पना के साथ होना चाहिए था। तुम यहां क्या कर रहे हो? आज उसके घर पर बर्थ डे पार्टी है न?

O.K श्वेता फिर कल मिलते हैं।
हां तुम MONDAY को घर पर आओ फुर्सत से।
तब तक मैं वापस इंग्लैंड चली जाऊंगी।

ब्लैक टोड्स ने बैंक लूटा!

सामने ही कमाण्डो हैड क्वार्टर में-
सुपर कमाण्डो ध्रुव जी से मिलना है।
साब जी इधर रहता नहीं। आता है, जाता है।
किधर से आता है। किधर को जाता है।
मालूम नहीं साब।
फिर किससे पता चलेगा?

करीम साब जी। दो साब ध्रुव साब से मिलने को आया है। साब किधर गया पूछता है।
उन्हें अंदर भेज दो बहादुर। चैक करके।

करीम साब अंदर बुलाया आपको।

ये क्या? हथियार रखता है?

शक्ल देखनी पड़ेगी। आतंकवादी तो नहीं।
ईSSS पशुपति नाथ।
मेंढक!

करीम ये तो वही आतंकवादी हैं जिन्होंने थोड़ी देर पहले मैट्रो पर आतंकी हमला किया था।
वे आतंकवादी हैं!
बहादुर! पकड़ लो उन्हें।
साब पहले मेरे को पकड़ो। मैं गश खाके गिरता है।
हैंड्स अप भागने की कोशिश मत करना।
क्योंकि भाग नहीं पाओगे।
ओह! टोड्स सामने ही कमांडो हैडक्वाटर में हंगामा मचा रहे हैं। चंडिका की कॉस्ट्यूम का श्रिंक किया हुआ ये पर्स अब मेरे काम आएगा।
हमें आतंकवादी कहा, यानि गाली दी।
हम आतंकवादी नहीं, आतंकवादियों के दुश्मन फाइटर टोड्स हैं।
हमारा काम अपराधियों से लड़ना है। आतंक फैलाना नहीं।
धाड़!!!
मास्टर भाग यहां से। हमें पुलिस के पचड़े में नहीं पड़ना।
ये तो समस्या हो गई शूटर। अब कैसे ढूंढेंगे हम...
...ध्रुव... आऊम्ऽऽफ!
भाग कर कहां जाओगे नमूनों?
आऽऽऽऽह!

कम्प्यूटर और कटर
कम्प्यूटर! अब नागराज जी को कैसे खोजें? कहां खोजें?
सच्चे दिल से खोजा जाए तो भगवान भी मिल जाते हैं कटर।
तो समझ लो भक्तों कि तुम्हें भगवान मिल गए।
अरे! नागराज जी आ गए।
अपने आप।
अब बताओ गुटकों क्यों खोज रहे थे मुझे?
और कौन हो तुम?
हम फाइटर टोड्स हैं।
नागराज जी! टोडदेव मुसीबत में हैं। उन्होंने आप को मदद के लिए पुकारा है।
ओह! इनका हुलिया तो उन आतंकवादियों से मिलता है जिन्हें ब्लास्ट करते हुए देखा गया था।
हमारी मां भी घायल हो गई है। वो खुद आप को बुलाने आई थी।
प्लीज नागराज जी...हमारे साथ चलिए ना प्लीज!
ये गुटके ठिगने आतंकवादी अपने आपको कुछ ज्यादा ही श्याणे समझते हैं।

मगर 'नागू' को बेवकूफ बनाना इतना आसान नहीं है। हीहीही।

अच्छा हुआ नागराज ने मुझे महानगर की सुरक्षा के लिए 'राज' और 'नागराज' दोनों का रूप धर कर यहां मौजूद रहने का आदेश दिया था।

मेरी जगह यदि नागराज होता तो वो जरूर इनके इमोशनल ड्रामे में फंस जाता।

लेकिन इन गुटकों का दुर्भाग्य कि इनका सामना सुपर स्मार्ट नागू से हो गया। हीहीही।

क्या दिमाग पाया है तूने नागू! मुझे गर्व है अपने आप पर!

इसने जरूर नागराज जी का मास्क धारण कर रखा होगा। खींचकर अलग कर देते हैं। (खुसर-फुसर।)
असली रूप नजर आते ही मार-मार कर टांगें तोड़ डालेंगे साले की।

ईऽऽऽऽऽ!
नागराज! दूसरों की खुसर-फुसर सुनना बुरी बात है। तेरी आदत सुधरती क्यों नहीं?

वैसे मैंने सुना कि तुम लोग मेरी टांग तोड़ना चाहते हो।
कटर! दबोच ले इस शैतान को।

बचाओ ऽऽऽ बचाओ।
मेरा चेहरा क्यों नोंच रहा है शैतान? पता है दुनिया भर की कितनी लड़कियां मरती हैं इस चेहरे पर... छोड़।

हे टोड देव! ये... ये तो...

...ये तो
रितिक रोशन
है।
ओह! मेरा रहस्य
खुल गया पूरी दुनिया
जान गई नागराज का असली
रूप रितिक रोशन का
है।
दुनिया को पता न
चले, इसके लिए अब इन
गुटकों का मुंह बंद करना पड़ेगा।
मुंह बंद करने के लिए इनके
दांत तोड़ने होंगे।
और ये काम
करेगा। तुम जैसे
शैतानों का
दुश्मन...
कृष!
"क्यों मुन्नों,
जबरन की
भाग-दौड़
क्यों मचा
रखी है?..."

...आतंकवादी बनने का बड़ा शौक है तुम्हें?
ये लेडी फाइटर कौन है मास्टर?
पता नहीं पर इसका मूड भी हमारे संग लड़ाई करने का है।
है तो है। हम भी कौन सा पीछे हटने वाले हैं। हम भी फाइटर हैं। अभी इसके सुंदर गाल सुजा देते हैं।
DHAD

इतने छोटे-छोटे होकर गुण्डागर्दी करते हो। यही सिखाया है तुम्हे तुम्हारे मास्टर जी ने।
मैं खुद मास्टर हूं और मैं छोटा नहीं हूं। गुर्रर्ऽऽऽ।
ओऽऽऽऽ! ओऽऽऽह! उफ! इसका शरीर तो गुब्बारे की तरह फूलने लगा है।
तुम मेंढकों को देने के लिए कुछ तोहफे हैं मेरे पास।

ओह! मास्टर बचाओ।

पहले तू मुझे बचा फिर मैं तुझे बचाऊंगा!

ना वो तुम्हे बचा पाएगा, ना तुम उसे!

तुम्हे अब तुम्हारी जुबान ही बचा सकती है।

बोलो! क्यों खोज रहे थे ध्रुव को?

किस्मत अच्छी थी! पास ही पानी का टैंक मिल गया मशीनी नाग पानी में निष्क्रिय हो गए।

अब देखता हूं कैसे बचती है ये कन्या मेरे घूंसा बाण से!

ओफ्फSSSS
अरे! इतनी जल्दी पैर भी पकड़ लिए। जाओ माफ किया।
माफी नीचे आकर दो।
धम्म!!
मर गया हाय।
फिर से मर गया हाय।
धप्पप!!

अब फिर से मरोगे।

पहले शूटर का बाण आया-

DHAAD

फिर आया शूटर-

मेरा बाण कचूमर निकाल देगा इस कन्या का।

चंडिका! ये आतंकवादी नहीं हैं बल्कि भोले-भाले शर्मीले मगर गजब के जांबाज फाइटर टोड्स हैं।
न्यूज पर जो टोड्स दिखाए जा रहे हैं। उनका रंग ब्लैक है और वो इनसे भिन्न हैं।
लेकिन टोड्स तुम राजनगर में क्या कर रहे हो?
हम तो सुपर कमाण्डो ध्रुव जी को खोजने आए थे।
वो तो राजापुर गया हुआ है।
और हम उन्हें यहां ढूंढ रहे हैं।
टोड्स के जाने के बाद-
मैं भी चलती हूं।
O.K. चंडिका!

कम्प्यूटर और कटर
कम्प्यूटर तू ठीक तो है ना?
हां।
तुम लोगों का खेल अब खत्म गुटकों!
AAHHH!
धाड़!!
अब नहीं रहेगा। माफ करना कम्प्यूटर
कटर के बच्चेऽऽऽ... आऽऽह!
यही मौका है दफन होकर रह जाएगा शैतान!
SAK
KRASH
मुझे दफन करने के लिए ये ढेर बहुत छोटा है गुटकों!
अब क्या?

HULKK WANTS TO BE LEFT ALONE.
अब ये कौन सी मुसीबत आ गई?
और ये बोल क्या रहा है?
ओह! सॉरी गुटकों, ट्रांसलेटर ऑन करना भूल गया था।
कर्टर बचा।
ये तो पूरा शैतान है।

तुम मुझे दफन करने चले थे न? मैं तुम लोगों को ऐसे दफन करुंगा की तुम्हारी अगली सात पुश्तें भी उस कबाड़ के ढेर से बाहर नहीं आ पाएंगी।
DHA..
SSSD
मोटे बड़बोले। अब तुझे पता चलेगा कि टोड्स कौन सी बला हैं। क्योंकि हम तो इतनी फुर्ती से उछलेंगे कि तेरे हाथ आएंगे नहीं।
और अपने बड़े शरीर के कारण तू हमसे नहीं बच पाएगा।
सही कहा, बड़ा शरीर बाधक बन गएला है पर फिकर नॉट! वैरायटी बहुत है अपुन के पास।
WITH GREAT POWER COMES GREAT RESPON-SIBITIY
लो अब दिखाओ अपनी फुर्ती।
अब देखो तुम स्पाइडी की फुर्ती।

तुम्हारे पैरों तले से जमीन अभी खिसकाता हूं।
तुम्हारे दांतों को जबड़े से खिसका कर!

जब-जब पाप धरा पर आई!! कथा जाई पुनि-पुनि दोहराई!!
जब-जब तुम जैसे पापियों का धरती पर भार बढ़ता है तब-तब उस भार को कम करने के लिए मैं लेता हूं अवतार... ये है मेरा... दशावतार!

THAAD
अब मैं करूंगा इस धरती को तुम्हारे भार से मुक्त!
अरे! कहां गया वो गुटका मेंढक? गायब हो गया क्या?
कटर्र कहां गया?
42

ये जहां गया
होगा तुझे भी वहीं
भेज देता हूं।
रुक जाओ
नागराज।
भारती तुम?
हां नागराज! रुक
जाओ, ये फाइटर टोड्स में
से एक कम्प्यूटर्र है।
ये आतंकवादी है।
नहीं! ये आतंकवादी
नहीं है। ये अपराध के
खिलाफ आवाज उठाने
वाले फाइटर हैं।
इनको ऑफिस में
पहली बार देखने के बाद
ही मुझे कुछ याद सा आ रहा
था। नेट सर्च करने पर मुझे
पूरी जानकारी मिल गई
ये फाइटर टोड्स हैं।
राजापुर के कई छोटे-
बड़े गैंगस्टर्स को जेल की हवा
खिलाई है इन्होंने।
मुझे याद आ
रहा है नागराज ने इनका एक
बार जिक्र किया था। नागराज ने मुझे
बताया था कि टोड्स उसके
मित्र हैं।
फिर आतंकवादियों
के ग्रुप से मिलता इनका
हुलिया?

वो नकली टोड्स होंगे। टोडदेव किसी मुसीबत का जिक्र कर रहे थे। हो सकता है यही वो मुसीबत हो।
तभी तो मैं उनके कहने पर नागराज जी को बुलाने आया था।
लेकिन नागराज जी, जब खुद आप ही ने भारती मैडम को हमारे बारे में बताया था तो फिर आपने हमें पहचाना क्यों नहीं?
क्योंकि ये नागराज नहीं उसका मित्र नागू है।
हाय! कैसा था मेरा स्पेशल इफैक्ट वाला तूफानी परफोर्मेंस?
फिर नागराज जी कहां पर हैं?
नागराज तो सुपर कमाण्डो ध्रुव के साथ तुम्हारे ही शहर राजापुर गया हुआ है आतंकवादी सूत्रों को तलाश में।
सुपर कमाण्डो ध्रुव जी भी वहां पर गए हैं? यानि कि शूटर और मास्टर भी राजनगर से खाली हाथ आए होंगे।
लेकिन कटर कहां गया? उसकी तलवार और ओवरकोट तो यहीं पर पड़े हैं।
मैं यहीं पर हूं कम्प्यूटर!
हाईं ये आवाज कहां से आई?
कम्प्यूटर मैं कटर...
कटर तू ऐसा कैसे हो गया?

सपना सच हो रहा है। मैनें सबको छोटे मेंढक में बदलते देखा था लेकिन ऐसा हुआ कैसे?
कम्प्यूटर में पिद्दी भर का कैसे हो गया? अब इतने छोटे से पेट में तो एक कीड़े से अधिक के लिए भी जगह न होगी।
"चुप कर पेटूमल!"
"अब तो इसके बारे में टोडदेव ही बता सकते हैं या फिर मां।"
क्या? शूटर्र भी छोटे टोड में बदल चुका है।
टोड्स मैं अपनी लैब में कुछ प्रयास करती हूं। शायद तुम्हें ठीक कर सकूं।
तुम सभी का छोटे टोड्स में बदलने का कारण है तुम्हारा म्यूटेशन लेवल जीरो होना।
वास्तव में तुम सभी म्यूटेंट्स हो मैंने तुम्हे विकिरणों की सहायता से बनाया था। एक निश्चित समयावधि के बाद वो म्यूटेशन लेवल जीरो हो जाता है। फलस्वरुप तुम सभी वापस टोड में बदल जाते हो! ऐसा पहले भी हो सकता था पर समय खत्म होने से पहले मैं ही म्यूटेशन लेवल नार्मल कर देती थी।
लेकिन अब स्थिति भिन्न है। जहां पर तुम्हारा निर्माण हुआ था वहां पर अब शैतानों का कब्जा है। बच्चों, वहां पर टोडदेव भी बेबस हैं। अब हमारी सहायता कोई कर सकता है तो वो नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव हैं।

वे ही अब हमारी और स्वर्णनगरी की रक्षा कर सकते हैं।
स्वर्ण नगरी...?
हां स्वर्णनगरी! तुम्हारे निर्माण स्थान का नाम स्वर्णनगरी है। इसकी जानकारी धरती पर केवल नागराज और ध्रुव को ही है।
आपने हमारा निर्माण किया है? मतलब आप हमारी मां नहीं हैं। ऊवांऽऽऽऽ
मतलब कि हम आपके बच्चे नहीं हैं। ऊवांऽऽऽ!
नहीं! क्योंकि तुम्हारे निर्माण के लिए जो मानव जींस चाहिए थे वो मेरे थे।
इसलिए मैं ही तुम्हारी मां हूं। तुम ही मेरे बच्चे हो।
क्या सच में? सुबुक!
हां मेरे बच्चों!
टोड्स! जरा यहां आना।
ओह तौकी जी बुला रही हैं।
पर मास्टर्र...हमें कुछ खाने को तो दे दो। इस लाचार टोड पर तरस खाओ। जीभ अभी पहले जैसी लंबी होती तो खुद ही कीड़े पकड़कर डकार जाता। बूहूहू!
अभी रुक पेटू। समय नहीं है अभी।
पिंजरे के मेंढक रेऽऽऽ तेराऽऽऽदर्द न जाने कोई।

मुसीबतों पर मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं! ना जाने वहां स्वर्ण नगरी में धनंजय और बाकियों का...
कड़ड़ाऽऽऽऽऽक
ब्लैक टोड्स ले आओ शिल्पात्री को... स्वर्ण नगरी में।
टोड्स, बचाओऽऽ!
मां!
मास्टर वो मुंए नासपीटे मां को ले गए।

कम्प्यूटर हमें स्वर्ण नगरी जाना होगा...
लेकिन मास्टर स्वर्णनगरी जाने के लिए हमें पहले नागराज जी और ध्रुव जी को खोजना होगा।
मास्टरSSSS
मास्टर! तेरा म्यूटेशन लेवल भी जीरो हो गया।
प्रोफेसर स्पून
क्या हुक्म है मेरे आका?
अरे! तुम्हारे आका की तो ऐसी की तैसी।
आका! आप अपनी ही ऐसी-तैसी क्यों करवा रहे हैं?
चुप्प कर चमच्चे के बच्चे। इतने सालों में तू और तेरी जुबान नहीं सुधरी। आका... आका...आका।
तुझे कहा था न कि मुझे बॉस कहा कर। अगली बार अगर तेरे मुंह से आका निकला तो यहां से बैठे-बैठे मिसाइल का पहला निशाना तुझ पर ही लगाऊंगा।
बॉस! नागराज और ध्रुव ने महानगर के सीरियल ब्लास्ट की योजना को ध्वस्त कर दिया है। हमारे आदमी पुलिस की चंगुल में हैं। मगर उन्होंने अपनी जुबान नहीं खोली है।
नहींSSS! ऐसा मत करना मेरे आकाSSSश मेरे आकाश-पाताल के भगवान!
जुबान खुलने से पहले ही उनकी जुबान और सांसें दोनों को बंद कर दो।

वो तो ठीक है बॉस पर नागराज और ध्रुव के होते हुए ये काम आसान नहीं।
"उनकी चिंता तू मत कर चमचे!"
"उनसे निपटने के लिए में तुझे ऐसे-ऐसे हथियार दूंगा कि..."
"ये क्या था चमचे? फिर से ग्लास तोड़ दिया तूने?"
ग्लास नहीं बॉस, अब तो हड्डियां टूटने का टाईम आ गया है।
प्रोफेसर स्पून तुम्हारा खेल अब हमेशा के लिए खत्म हो गया समझो।

हां मेरा खेल खत्म हो गया है।
"क्योंकि..अब तुमसे ये नए खिलाड़ी खेलेंगे।"
CHHAPAAK
ओह!
50
51

WHAT THE HELL...
अब यह किस तरह की मुसीबत है?
इस तरह के हमले की उम्मीद नहीं की थी मैंने।
मुझे एका-एक लग रहा है कि हम स्टार वार्स मूवी के शूटिंग सेट पर आ गए हैं।

हां! पर ये शूटिंग नहीं हो रही है ध्रुव! इन्हे स्पेशल इफेक्ट्स समझने की भूल की तो...
...तो हमारी आत्माएं शरीर से स्पेशल इफेक्ट्स बन कर निकल जाएंगी!
हक्क!
नागराज ध्रुव लड़ने में मशगूल हैं। मैं तो सरक लेता हूं यहां से। दोनों मारे गए तो ठीक है। वर्ना आका मुंह काला कराए अपना।
शिल्पात्री-
आ गया होश तुम्हे शिल्पात्री?

देखो शिल्पात्री अब तुम भद्रक की कैद में हो। जहां से तुम्हें केवल भद्रक ही छुड़ा सकता है या फिर यमदूत। वो भी तब, जब वो तुम्हें यमलोक ले जाने के लिए आए। हाहाहा।
अहंकारी भद्रक! याद रखिए पाप के जिस मार्ग पर आप चल पड़े हैं। उसकी मंजिल केवल विनाश है। विनाश दूत बनकर आएंगे मेरे बच्चे फाइटर टोड्स और ध्वस्त कर देंगे आपके कुत्सित इरादों को।
तुम्हे पता है शिल्पात्री, धमकी मुझे पंसद नहीं!
आऽऽऽऽऽऽऽऽह
फाइटर टोड्स शिल्पात्री का सबसे बड़ा अविष्कार हैं। इसका विनाश करने में मुझे बहुत मजा आएगा।
और ठंडक मिलेगी वर्षों से जल रहे मेरे दिल को।
जाओ मेरे अविष्कारों नष्ट कर दो। मेरी सबसे बड़ी दुश्मन शिल्पात्री के अविष्कार को।

रसीले! यार स्वर्णनगरी पहुंचा दे। मेरे सारे भाई मेंढक बन गए हैं।
स्वर्णनगरी! वो कहां पर है भैय्या?
स्वर्ण नगरी इसे हम पहुंचा देंगे।
WANTE
ये ब्लैक टोड्स, इन्होंने ही किया है मम्मी का किडनैप। यही पहुंचा सकते हैं मुझे स्वर्णनगरी।
मुझे न केवल अपने भाईयों को बचाना है बल्कि इन कम्बख्तों से भी निबटना पड़ेगा।
आज तक सिर्फ कम्प्यूटर के बटन ही दबाते आए हैं ये हाथ!
पर आज समय है कि इन हाथों का प्रयोग करूं अपनी जेब में रखे हुए अपने भाईयों, मां और टोडदेव की रक्षा के लिए।

हे! टोड देव
मदद करना!
अपने
इस बच्चे
को...
फेल मत
होने ...
...देना
आह!
चलो! खत्म कर दिया
मैंने उनको। कीड़े थे कम्बख्त
के मारे। मकौड़ों की तरह
मसल डाला मैंने उन्हें।

WHAM
नागराज! इन AMPHIBIAN प्राणियों को मैंने पहले भी कहीं देखा है।
THUD
SNAP
इन खतरनाक समुद्री प्राणियों का आतंकवादियों के पास होना अच्छा संकेत नहीं है।
पहले बॉम्ब ब्लास्ट्स और अब इन प्राणियों की यहां मौजूदगी दर्शा रही है कि जो भी इस मसले के पीछे है...
उसकी योजना सिर्फ आतंक फैलाना नहीं है।
कोई भयंकर षडयंत्र अपना सर उठाने की चेष्टा कर रहा है। ओफ्फ!

ओह! नागराज उस प्राणी के वार से बच नहीं पाया!
DON'T WORRY नागराज! मैं आ रहा हूं!
चिंता हमें नहीं ध्रुव, अब इन प्राणियों और ब्लास्ट्स के पीछे मास्टर माईंड्स को करनी है।!
अब और समय बर्बाद नहीं करेगा नागराज।
BOOM
सही कहा! और समय बर्बाद करने का कोई अर्थ ही नहीं है।
क्योंकि मुझे समझ आ गया है ये प्राणी कहां से आ रहे हैं।

BOOM
प्रोफेसर स्पून ने बाहर जाने का रास्ता बंद कर दिया है।
छत फोड़कर बाहर निकलने का रास्ता बनाना होगा।
अगर मैं सही हूं तो मैंने इन सभी प्राणियों को स्वर्णनगरी में देखा है।
क्या? स्वर्णनगरी के प्राणी इन आतंकवादियों के पालतू कैसे हो गए?
BAK
मेरे विष दंश को झेल नहीं पाएंगे ये!
हमें स्वर्णनगरी के लिए निकल जाना चाहिए।

राजनगर समुद्र तट-
यहीं से हमें मिलेगी स्वर्ण नगरी के लिए सवारी।
आओ दोस्त, तुम्हें एक बार फिर से हमें स्वर्ण नगरी ले जाना है।
नागराज और ध्रुव स्वर्णनगरी की तरफ बढ़ रहे हैं भद्रक।

आने दो यही स्वर्णनगरी
अब उनकी मृत्युनगरी बनेगी क्योंकि
स्वर्णनगरी में प्रवेश करते ही...
"...उनका सामना होगा स्वर्ण
नगरी के खतरनाक कैदियों से!"
ओह! हमारे स्वागत
की तैयारी पहले से ही कर
रखी है दुश्मनों ने!
मतलब
साफ है!
WHAM
AAAHHH
हमारे यहां आने
का आभास पहले से था
उन लोगों को!

ये सारे स्वर्ण नगरी के कैदी थे! इनके ऐसे आजाद घूमने का मतलब गड़बड़ बहुत भारी है! स्वर्ण नगरी के अन्य नागरिक व रक्षक नजर नहीं आ रहे हैं!
हमें सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए।
भद्रक तुम्हारे सारे खतरनाक नमूने, नमूने ही साबित हुए।
डैथ चैंबर से बचकर निकल पाना इनके लिए संभव नहीं होगा।
बस हमें मक्कारी से काम लेना होगा।
वो तो हम में कूट-कूट कर भरी हुई है।

सारी स्वर्ण नगरी में मरघट सा सन्नाटा छाया हुआ है! कहीं ये तूफान से पहले की शांति तो नहीं!
नागराज जी, नागराज जी!
ध्रुव जी, ध्रुव जी!

फाइटर टोड्स तुम यहां? और तुम्हारे रंग को क्या हुआ!
धनंजय ने इन्हें स्वर्ण नगरी का रहस्य बता दिया क्या?

दुश्मन ने हमें बिमार करके कमजोर कर दिया है जिस कारण हमारा रंग भी काला पड़ गया है और हमारी मां को भी कैद कर लिया है।
हमारी मां को बचा लिजीए
तुम्हारी मां??

शिल्पात्री?
शिल्पात्री..?

किसने कैद किया इसे यहां पर?

जिसने तुम्हें कैद किया।
डैथ चैंबर में।
ओह! धोखा शिल्पात्री की थ्री डी इमेज यहां पर प्रेषित की जा रही थी।
दुनिया के नए भगवान, मांबा और भद्रक के दरबार में तुम्हारा स्वागत है नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव।
ग्रीन मांबा!
शिल्पात्री कैद है। धनंजय कहां गया? और तुम्हारे साथ ये स्वर्ण मानव???
हाहाहा। धनंजय की जगह पर अब हम हैं और धनंजय हमारी जगह! यानि कि स्वर्ण नगरी के कारागार में कैद है।
और इसका सारा श्रेय जाता है। इस स्वर्ण नगरी के कलियुगी विभीषण श्री भद्रक जी को। इन्हीं की सहायता से तख्ता पलट किया है मैंने यहां का।
अब हम बनेंगे स्वर्ण नगरी के साथ इस पूरी पृथ्वी के भगवान! शिल्पात्री यदि कैद से ना भागी होती तो अब तक तुम कीड़े मकौड़ों की तरह हमारे कदमों में रेंगते नजर आते!
राजनगर और महानगर में किए गए छोटे-मोटे सीरियल ब्लास्ट्स हमारे विश्व विजय अभियान का ही हिस्सा थे! वो सारे बॉम्ब्स पूरे महानगर और राजनगर को खाक में मिलाने के लिए काफी थे।
पर विडम्बना ये थी कि भद्रक के पास उन विस्फोटकों का स्टॉक ज्यादा नहीं था!
दुनिया पर राज करने के लिए चाहिए थे और विध्वंसक हथियार!
जो कि स्वर्ण नगरी के प्रक्षेपास्त्रागार में थे और प्रक्षेपास्त्रागार को खोलने का तरीका पता था धनंजय को।
परंतु हमने अपने ही हाथों अपने पैरों पर कुल्हाडी मार ली। बेहोशी की अवस्था में धनंजय के दिमाग को स्कैन कर पाना असंभव था।
बची थी शिल्पात्री, जो कि तुम्हें ही ढूंढने निकली थी!

पर अब कोई चिंता नहीं! शिल्पात्री के दिमाग को स्कैन कर अद्दक महान ने जान लिया स्वर्णनगरी के शस्त्रागार को खोलने का तरीका।
हमने दुनिया की सारी प्रमुख जगहों को निशाने पर ले रखा है। अब पूरी दुनिया को हमारा हुक्म मानना होगा। स्वीकार करनी पड़ेगी हमारी दासता। अब दुनिया को बनाना, संवारना, नष्ट करना हमारे हाथ में है। अब दुनिया के ईश्वर, हम हैं। विष्णु हम हैं और ब्रह्मा भी हम हैं क्योंकि हमारे पास है ब्रह्मास्त्र हाहाहाहा।
तुम्हारी सारी योजनाओं को ध्वस्त कर देगा नागराज।
ऐसा न करना नागराज वर्ना...
AAHHHHH
तुम्हारे दिमाग को लगेगा गहरा झटका।
क्योंकि कमरे की चारों ओर की दीवारों में इलैक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों का जाल है। जिसे कंट्रोल कर रहा है मेरा सुपर कम्प्यूटर।
यह तुम्हारी उन ब्रेन वेव्स को पकड़ सकती हैं जो तुम्हारे दिमाग में होने वाली छोटी सी भी हरकत से एक्टिव होती हैं।
ऐसा होते ही तुम्हारे दिमाग को झेलना होगा एक गहरा झटका।
बचाव के लिए सोचे गए तरीके को भी यह वेव तुरंत पढ़ कर असहनीय झटके का इंतजाम कर देगी।

भद्रक महान ने तुम्हारी सारी शक्तियों का गहन अध्ययन करके तुम दोनों को कैद करने का इंतजाम किया है।
संसार के सभी बड़े देशों को हमारी हुकूमत स्वीकार करने का संदेश भेज दिया गया है।
अगर आधे घंटे में हमारी शर्त स्वीकार न की गई तो हम 'श्रीलंका' को जीवन रहित कर देंगे।
हाहाहा। हम अधिक लोगों को मारने के मूड में नहीं हैं। श्रीलंका की आबादी भी कम है। इसलिए पहले अपनी ताकत दिखाने के लिए हम उसे ही जीवन रहित करेंगे।
हम चाहते हैं कि जब दुनिया पर हमारा कब्जा हो तो हमारे गुलामों की संख्या अधिक से अधिक हो।
ओफ्फ! हमारी किसी भी हरकत पर तुरंत दिमागी झटका लगता है।
इस तरह तो हम झटके खा-खा कर मर जाएंगे और भद्रक व मांबा सफल...
नहीं! इस तरह नहीं अभी एक तरीका है इस मुसीबत से बचने का!
पर उसके लिए मुझे खाने होंगे ये असहनीय दिमागी झटके!

मुझे हर हाल में सफल होना होगा! होना ही होगा!
WHAT THE... ध्रुव के दिमाग को झटका क्यों नहीं लग रहा?
सुपर कम्प्यूटर उसकी दिमागी हरकतें क्यों नहीं पढ़ पा रहा?
DESTROY!
DESTROY!
BOOSSSOOM
ये...ये पागल हो गया है क्या?

DESTROY
उफ! कुछ करो भद्रक।
उफSSS! कुछ समझ नहीं आ रहा है।

यह क्या? ध्रुव ने नष्ट कर दिया डैथ चैंबर के जाल को। असंभव!
घोर असंभव।
असंभव सा असंभव।
बस करो ध्रुव, डेथ चेंबर डिस्ट्रॉय हो चुका है!
ऐसा कैसे हो गया? सुपर कम्प्यूटर ने काम करना बंद कर दिया था क्या?
कैसे किया ध्रुव ने यह सब?
यह सब ध्रुव ने मेरे तीव्र सम्मोहन में फंस कर किया।
सम्मोहन के कारण ध्रुव के दिमाग में बस एक ही कमांड एक्टिव थी किसी भी हाल में डेथ चेंबर को नष्ट करना
उसके लिए ध्रुव के दिमाग में लग रहे झटके भी कोई मायने नहीं रखते थे।
BOOM
ध्रुव को बस हर हाल में मेरा आदेश पूरा करना था। सो उस ने पूरे डैथ चैंबर को ध्वस्त कर दिया।

रुक जाओ मरदूदों। नागराज जी, ध्रुव जी से लड़ने से पहले तुम्हें हमारी लाश पर से गुजरना होगा।
पर ये सब करके भी तुम लोग बच नहीं पाओगे!
ब्लैक टोड्स खत्म कर दो इनको।
कम्प्यूटर!
यह नामाकूल मेंढक यहां कहां से आ गया? इसे तो ब्लैक टोड्स ने खत्म कर दिया था।
TOADSACTION....
खलनायकों की ऐसी की तैसी।
सत्यानाश!
अरे! इन सबका म्यूटेशन लेवल नॉर्मल कैसे हो गया?
खत्म तो अब तुम सब होगे अपने गंदे इरादों के साथ।

DHAM
DHISHOOM
मैं बताता हूं तुझे मांबा कि कैसे मैं बच गया और कैसे हो गया फाइटर टोड्स का म्यूटेशन लेवल नॉर्मल।
"जब तेरा ब्लैक टोड कम्प्यूटर मुझसे लड़ते हुए गटर में अंदर आ गया था। मैंने शार्ट सर्किट के द्वारा उसकी खोपड़ी उड़ा दी।"
"फिर मैं जा मिला ब्लैक टोड्स से।"
"मैंने चेहरे पर कीचड़ की परत पोत ली थी। इसलिए किसी को मेरे ब्लैक टोड्स न होने का शक नहीं हुआ।"
"यहां आने पर जब तुम लोगों ने नागराज जी, ध्रुव जी को डैथ चैंबर में फंसा दिया था तो मैं निकला माता शिल्पात्री की तलाश में!"
मम्मीSSS!
क...कम्प्यूटर तुम...यहां कैसे पहुंच गए...! आSSSSह
मम्मी मास्टर भी छोटा हो गया है और चालबाज मांबा ने नागराज जी और ध्रुव जी को भी कैद कर लिया है।

म्यूटेशन लेवल जीरो होने वाला है। ओहSSS कम्प्यूटर्र तुम भी छोटे होने वाले होSSSS।
मैं अपने होश कायम नहीं रख पा रही हूं कम्प्यूटर्र अब तुम्हे ही जा कर...
कम्प्यूटर्र तुम भी छोटे टोड बन गए। आहSSS।
आह। कम्प्यूटर्र! म्यूटेशन लेवल सिस्टम उस कक्ष में है।
"फिर मैं फुदकते हुए उस कक्ष में जा पहुंचा-"
MUTATION LEVEL NORMAL
"म्यूटेशन लेवल को नार्मल करते ही-"
"मेरे ओवरकोट में छिपे हुए मास्टर, कटर और शूटर भी नार्मल हो गए थे।"
चलो! यारों हमें मांबा की धुनाई करनी है।
और नागराज जी और ध्रुव जी को कैद से आजाद कराना है।
पर जब तक हम यहां पहुंचे तब तक नागराज और ध्रुव जी अपने आप ही यहां से आजाद हो चुके थे।
पर तुम सबकी धुनाई का काम अभी भी बचा हुआ है।
DHAAD
बहुत बकवास कर ली तुमने। मेरा ये ऊर्जा वार पहले तुम्हारी बड़बोली ज़ुबान को गलाएगा फिर तुम्हारी खोपड़ी को।
अगर वो कम्प्यूटर्र तक पहुंच गया तो।
ओह! ऊर्जा वार नष्ट हो गया।
अब हमारे वार तुम्हारी सारी ऊर्जा निकाल देंगे।
और अपनी थोड़ी सी ऊर्जा हम तुम्हारी धुनाई में निकाल देंगे।

ये गए मांबा के गुर्गे। अब मांबा को मुर्गा बनाना है।
कोई आगे नहीं बढ़ेगा वर्ना पूरी दुनिया मेरे निशाने पर है।
पूरी दुनिया के साथ-साथ अब तुम सब भी हमारे गुलाम होगे वर्ना तुम्हारे साथ-साथ पूरी दुनिया का विध्वंस कर देंगे हम।
हां, हम सब आपके गुलाम हैं महान मांबा जी। पूरी दुनिया को उड़ाने की कोशिश न कीजिए।
वर्ना आप दुनिया तो नहीं उड़ा पाएंगे, लोग आपका मजाक जरुर उड़ाएंगे।
मेंढक की औलाद तेरी इतनी हिम्मत कि तूने मांबा पर हाथ उठाया। रुक मैं अभी पूरी श्री लंका को उड़ाता हूं। और अगला नंबर तुम लोगों का!
पूरे श्रीलंका तो क्या श्री लंका में तली जा रही एक पूरी को भी नहीं उड़ा सकता तू मांबा।
क्योंकि जिस वक्त ध्रुव जी तबियत से आपकी पिटाई करने में और आप पिटने में बिजी थे। मैं उस वक्त आपके मिसाइल कंट्रोल सिस्टम में टोड्स वायरस डालने में बिजी था।

सत्यानाश!
सवा सत्यानाश!
सत्य का कभी नाश नहीं होता। नाश तुम जैसे शैतानों का होता है।
जिस स्वर्ण नगरी के आप जेलर थे अब उसी में आपको पूरी जिंदगी कैदी बनकर गुजारनी होगी भद्रक महोदय।
और आपका साथ देने के लिए वहां मौजूद होंगे श्रीमान मांबा जी!
शुक्र है पूरी धरती तबाह होने से बच गई।
इसका सारा श्रेय जाता है तुम्हारे अविष्कार फाइटर टोड्स को।
माते! अब टोडदेव जी को भी आजाद करा लिया जाए।
धन्यवाद नागराज, ध्रुव। स्वर्णनगरी की रक्षा में तुम दोनों का योगदान भी उल्लेखनीय है।
इन ब्लैक टोड्स का म्यूटेशन लेवल जीरो करने के बाद अब मुझे करना है वो काम...

"टोड्स की मेमोरी से स्वर्ण नगरी से जुड़ी बातें तो मिटा दी मैंने परन्तु मां की याद कैसे मिटा सकती हूं मैं?"
मां हमें फिर छोड़कर चली गई।
फिर से कोई हमारा सहारा नहीं बचा।
वक्त के साथ-साथ ये थोड़े से बड़े और अनुभवी जरूर हो गए हैं। मगर अभी भी अच्छे-बुरे की समझ इन्हें नहीं है।
जिसे करने का ना जाने क्यों दिल गवाही नहीं दे रहा।
कोई ऐसा चाहिए जो इनका मार्गदर्शन करता रहे। क्यों धनंजय?
तुम ठीक कहती हो शिल्पात्री।
धनंजय ने आखिर मुझे हर संडे टोड्स से मिलने की इजाजत दे ही दी।
अब मैं अपनी ममता और मार्ग दर्शन इन्हें समय-समय पर देती रहूंगी।
मां!
माते!
आप आ गई।
मॉम!
मम्मी!
HAPPY ENDING

डोगा का नकाब तो नोंच दिया है।
अब डोगा का कातिल बनेगा...

राज कॉमिक्स में पढ़िए डोगा का रोमांचक कॉमिक विशेषांक!

नट्टू दल के पास है अद्भुत शक्ति! ये जिसे चाहेंगे उसे बना देंगे किलर! क्योंकि दूसरों को वश में करने के लिए इनको बोलना है एक शब्द...
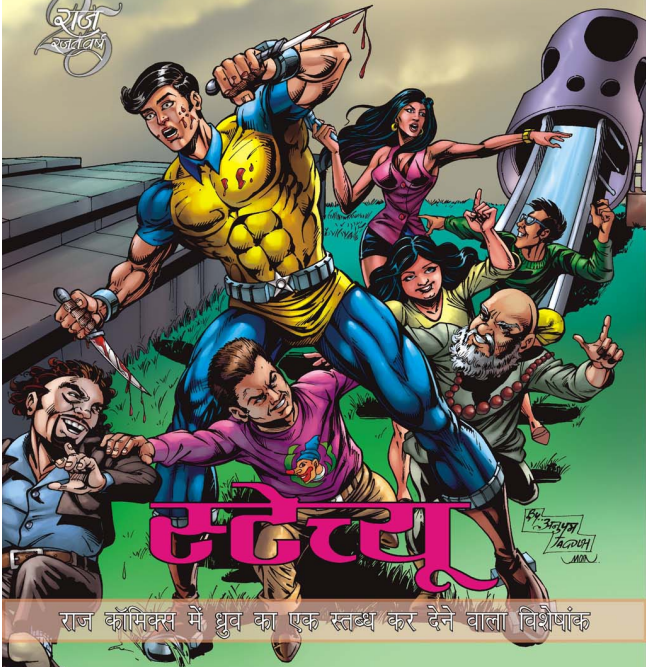
राज कॉमिक्स में ध्रुव का एक स्तब्ध कर देने वाला विशेषांक